अक्लमंद हो तो क्या लिखो

रूपए रंग, गंध लिखो
मन की उडान हो गई जो स्वच्छंद लिखो
तितली लिखो, फूल लिखो,
रेशम लिखो, प्रेम लिखो,
जो भी लिखो,
प्रशंसा, पैसा और सम्मान के जरूरतमंद लिखो,

चमक लिखो, दमक लिखो,
ठसक और खनक लिखो,
देश, विश्व, सत्ता के बदलते समीकरण लिखो,
अच्छा लिखो, नफीस लिखो,
ऊँचा लिखो, दमकदार लिखो,
जिनकी पढ़ने की हैसियत है,
उनकी हैसियत के अनुसार लिखो,

मुख्य धारा लिखो, बिकने वाला लिखो,
शोहरत वाला लिखो, चर्चा लायक लिखो,
छप्पर मत लिखो, साथ में नाला मत लिखो,
खून मत लिखो, भूख मत लिखो,
सडती हुई लाश पर मंडराते चील, कौवे मत लिखो,
औरत की कोख में ठूंसे गये पत्थर बिल्कुल मत लिखो,

दिवानों, पागलों और सनकियों की बात मत लिखो,
देश मत लिखो, समाज मत लिखो,
गांव मत लिखो, गरीब मत लिखो,

विकास लिखो खनिज लिखो,
हवाई अड्डा और होर्डिंग लिखो,
एसी लिखो, कार लिखो, स्काच लिखो,
सेंट लिखो, लड़की लिखो,
पैसा लिखो, मंत्री लिखो,
साहब लिखो, फाइल क्लियर लिखो,

जली हुई झोंपड़ी, लूटी हुई इज्जत, मरा हुआ बच्चा
पिटा हुआ बुढा बिल्कुल मत लिखो,
पुलिस की मार, फटा हुआ ब्लाउज,
पेट चीरी हुई लड़की की लाश मत लिखो,

महुआ मत लिखो, मडई मत लिखो,
नाच मत लिखो, ढोल मत लिखो,
लाल आँख मत लिखो, तनी मुट्ठी मत लिखो
जंगल से आती हुई ललकार मत लिखो,
अन्याय मत लिखो, प्रतिकार मत लिखो,
सहने की शक्ति का खात्मा और बगावत मत लिखो,

क्रान्ति मत लिखो, नया समाज मत लिखो,
संघर्ष मत लिखो, आत्म सम्मान मत लिखो,
लाईन है खींची हुई, अक्लमंद और पागलों में,
अक्लमंद लिखो,पागल मत लिखो

- हिमांशु कुमार

सरकारी स्कूलों का गिरता स्तर

आज शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही तेज़ी से विकास हो रहा है। हर क्षेत्र में प्रतियोगिता बढ रहा है। लेकिन एक तरफ़ जहां बच्चे (सी बी एस ई) में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर रहे हैं वहीं हरियाणा बोर्ड में 10 वीं में 41 प्रतिशत और 12 वीं में केवल 54 प्रतिशत बच्चे पास हुए हैं। इनमें से नाम मात्र ही सरकारी व अधिकांश प्राइवेट स्कूलों से हैं। इनमें से भी अधिकांश नकल के बल बूते पर ही पास हुए हैं। फेल तो वे हुए जो नकल मारने के भी काबिल नहीं थे। इससे साफ़ जाहिर हो रहा है कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर कितना सही है। यहां की स्थिति इतनी दयनीय है कि बच्चों को पास होने लायक अंक प्राप्त करने में भी कठिनाई हो रही है, कारण कि सरकारी कामों में जैसे कि जनगणना से लेकर पल्स पोलियो के अलावा और भी चुनाव के दौरान इन शिक्षकों से भरपुर काम लिया जाता है। जिस कारण बच्चों का कोर्ष पुरा नहीं हो पाता है तो इसमें शिक्षक क्या करेंगे? वो तो एक ही साथ कई काम नहीं कर सकते हैं। इसमें शिक्षकों को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है।

सरकारी स्कूलों में तो वही बच्चे पढते हैं जो प्राइवेट स्कूलों की फीस भरने में सक्षम नहीं हैं। इन बच्चों को कितने अनुशासन और उचित तरीके से पढाया जाता है यह तो परीक्षा परीणाम से साफ जाहिर है। यह स्थिति सिर्फ़ हरियाणा के ही नहीं बल्कि पूरे देश के अधिकतम राज्यों की यही राम कहानी है। हाल ही में इंडिया न्यूज चैनल के एक सर्वे रिपोर्ट में यह दिखाया कि सातवीं-आठवीं के छात्र जोड़-घटाव तक हल नहीं कर पाते हैं।

हमारे देश में सभी को शिक्षा प्राप्त करने का समान अधिकार है और शायद इसीलिए सरकारी स्कूल भी है। जिसमें मध्यम वर्ग के बच्चे पढते हैं।

पिछले कुछ वर्षों से इन सरकारी स्कूलों की स्थिति एक और दयनीय होती जा रही है और वहां के शिक्षकों को तय वेतन तो मिलता ही है। फ़िर चाहे वह अपनी जिम्मेदारी पूर्ण रूप से पुरी करें या ना करें। जैसे कि उच्च शिक्षा तो और भी महंगी है। वो तो और भी उच्च वर्गीय बच्चे ही हासिल कर पायेंगे। क्योंकि मध्यम वर्ग तो सरकारी स्कूलों में किसी तरह से अपने बच्चों को स्कूल भेज रहे हैं। जहां न पानी की व्यवस्था है न शौचालयों की। जिन माता-पिता को बच्चों को पढाने की जिज्ञासा है तो वो क्या करें सरकारी स्कूलों में भेजते हैं। ऐसे उच्च शिक्षा पर तो केवल उच्च वर्ग के लोगों का ही अधिकार है कि मध्य शिक्षा के बाद भी जैसे डॉक्टरों इंजीनियरों से लेकर ज़्यादा तर और भी उच्च शिक्षा में पैसे देकर डीग्री ले लेते हैं। किन्तु उनकी प्लेसमेंट तो अच्छी नहीं ही मिल पाती है। सिर्फ़ प्राइवेट स्कूलों में ही पढने वाले बच्चों को हमारी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में विकास कर रही है। या गरीब बच्चों को भी? क्या भारत इस तरह से विकास करेगा? क्या केवल उच्चवर्ग के प्राइवेट स्कूलों में पढने वाले बच्चे विकास की दौड़ में आगे बढ पायेंगे?

-दीपीका झा
शिक्षा भारती पब्लिक स्कूल
कक्षा-12

होटल मिलेनियम से पुलिस ने सट्टेबाज़ पकड़े, मालिक राजनीति संरक्षण में सुरक्षित

फ़रीदाबाद (म.मो.) दिनांक 4 जून वीरवार रात्रि, शहर के नीलम बाटा रोड पर स्थित होटल मिलेनियम में थाना कोतवाली पुलिस ने देर रात छापा मार कर बड़े पैमाने पर चल रहे सट्टेबाज़ी के गोरख धंधे का खुलासा किया। जबकि मज़दूर मोर्चा ने अपने 16-30 अप्रैल के अंक में ही होटल मिलेनियम, रोनाल्ड, अभिनन्दन, राजमंदिर में जुआ-सट्टा व वेश्यावृत्ति के धंधे होने की खबर प्रकाशित कर दी थी।

मिलेनियम में छापेमारी के दौरान 3 सट्टेबाज पुलिस के हत्थे चढे। जबकि होटल मालिक संजय मक्कड़ व मैनेजर आशू फ़रार होने में कामयाब रहे। जानकारों के मुताबिक मक्कड़ को स्थानीय विधायक के यहां अक्सर देखा गया है। शायद इसी दबाव में पुलिस उस पर हाथ नहीं डाल पा रही है। जो 3 लड़के पुलिस में पकड़े वो तीनों ही एक नं. डी व सी ब्लॉक के हैं, तीनों ही इस धंधे में माहिर हैं।

धन्धे के जानकार बताते हैं कि संजय मक्कड़ के तार, बाम्बे, हैदराबाद, बैंग्लोर के बड़े मगरमच्छों के साथ जुड़े हैं। संजय मक्कड़ की फ़रीदाबाद में मैच का बड़े से बड़े बुकी भी बेट नहीं लिखता था। फ़रीदाबाद में संजय मक्कड़ के मैच का बड़े से बड़ा बुकी भी बैट नहीं लिखता। क्योंकि स्थानीय बुकियों को पता है कि मक्कड़ इस सट्टे के खेल का महा गुरु है तथा उसे मैच में हार-जीत का पहले से ही पता रहता है। एक बुकी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि संजय मक्कड़ की श्री लंका की टीम के खिलाड़ियों के साथ खूब जोड़ी बैठती है। उसने श्री लंका के मैंचों में करोड़ों रुपये कमाए हैं। इससे भी बड़ी बात, विशवस्नीय सूत्रों के अनुसार, पुलिस के कुच्छ उच्च अधिकारी भी संजय मक्कड़ के इस गोरख धंधे व होटलों में पार्टनर हैं। सूत्रों अनुसार दिल्ली व फ़रीदाबाद में सैक्स रैकेट चलाने वाले होटल मिलेनियम, रोनाल्ड, अभिनन्दन, राजमंदिर, पार्कप्लाजा में जमकर वेश्यावृत्ति का धंधा कर रहे हैं। जिसकी जानकारी इन होटलों के मालिकों व स्टाफ़ को पहले से ही रहती है। जानकारों के अनुसार फ़रीदाबाद के सिर्फ़ एन आई टी, 1 नं., 2 नं., 3 नं., व 5 नं. में 100 से अधिक बुकी मैच व दाना की बुक लगाते हैं। जिसमें 3 दर्जन से अधिक बुकी करोड़ों रुपये का काम करते हैं। अब देखना ये है कि पुलिस कमिश्नर बाकी होटल मालिकों व बुकियों पर कब नकेल कसते हैं।

इस मैगी-वेगी से हम भारतीयों को ज्यादा डरने की जरूरत नहीं

क्योंकि
सड़े तेल में डूबे भटूरे और समोसे,
सल्फ़र के तेजाब वाले पानी के गोलगप्पे,
बर्ड फ्लू वाले जख्मी मुर्गे की चांप,
एक ही पत्ती से कई बार बनी चाय,
डिटर्जेंट पाउडर वाला दूध,
धूल वाली सड़क पे खुले कटे फलों की चाट,
नाली किनारे बिकती सब्जियां,
कभी ना साफ हुई टंकी के प्याऊ का पानी,
खुजलाते हाथों की ढाबे की रोटियां,
सूखे दूध के नकली मेवे की मिठाई,
जिसका बाल भी बांका नहीं कर सके।
उसका मैगी की मिलावट क्या बिगाड़ लेगी !!